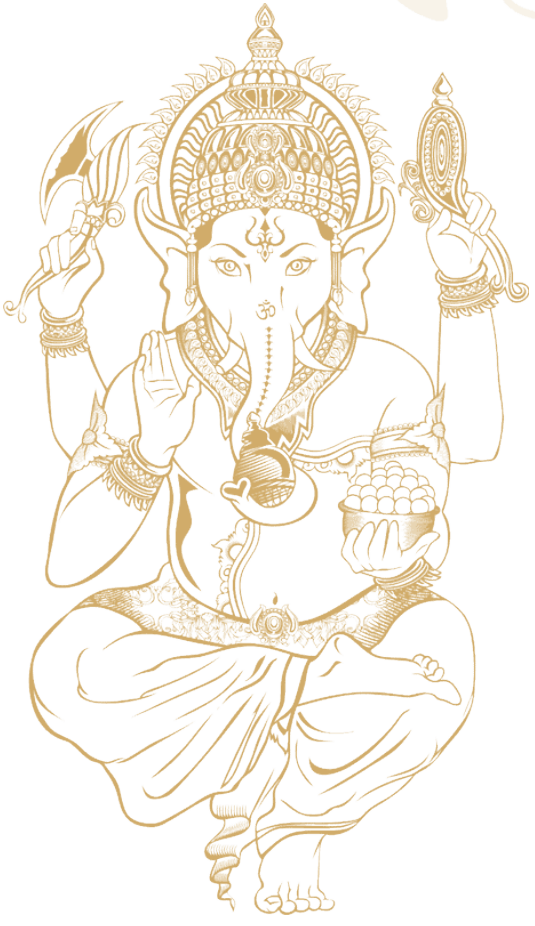

Vishallu

21 Nov 2002

09:50 AM

Kathua

Model: web-freekundliweb

Order No: 121897008

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/11/2002**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:50:00 घंटे**
इष्ट	06:58:39 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:22:04 घंटे
वेलान्तर	00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	13:22:05 घंटे
सूर्योदय	07:02:32 घंटे
सूर्यास्त	17:24:52 घंटे
दिनमान	10:22:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:46:47 वृश्चिक
लग्न के अंश	10:20:50 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:20:50	339:41:37	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	04:46:47	01:00:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृष	17:15:17	12:16:39	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	29:25:00	00:38:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	08:46:44	01:34:01	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			कर्क	23:55:20	00:02:35	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र	व		तुला	06:09:41	00:00:18	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	03:45:02	00:03:59	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	14:44:59	00:00:07	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	14:44:59	00:00:07	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:08:17	00:00:52	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:35:00	00:01:03	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:51:02	00:02:12	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	28:17:52	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:33

लग्न-चलित

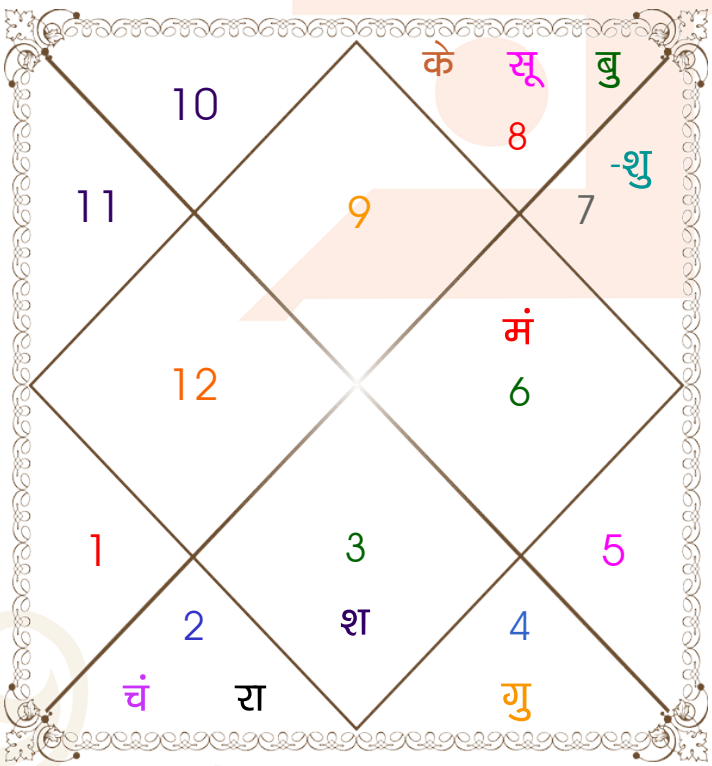

चन्द्र कुंडली

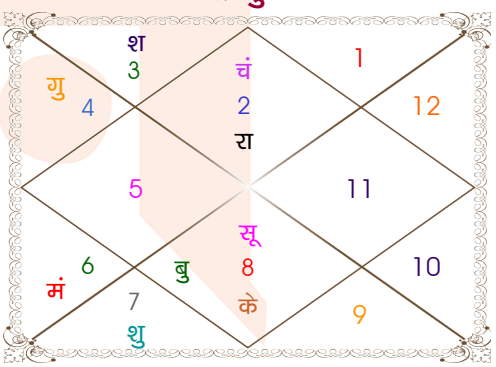

नवमांश कुंडली

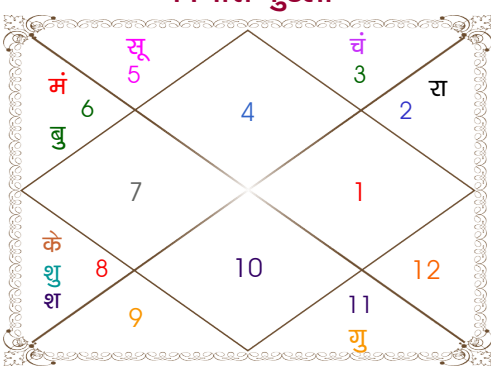

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 6 मास 21 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/11/2002		13/06/2007		13/06/2014		12/06/2032		12/06/2048	
13/06/2007		13/06/2014		12/06/2032		12/06/2048		13/06/2067	
	00/00/0000	मंगल	09/11/2007	राहु	23/02/2017	गुरु	31/07/2034	शनि	16/06/2051
	00/00/0000	राहु	27/11/2008	गुरु	20/07/2019	शनि	11/02/2037	बुध	23/02/2054
	00/00/0000	गुरु	03/11/2009	शनि	26/05/2022	बुध	20/05/2039	केतु	04/04/2055
	21/11/2002	शनि	12/12/2010	बुध	12/12/2024	केतु	25/04/2040	शुक्र	04/06/2058
शनि	13/04/2003	बुध	10/12/2011	केतु	30/12/2025	शुक्र	25/12/2042	सूर्य	17/05/2059
बुध	12/09/2004	केतु	07/05/2012	शुक्र	30/12/2028	सूर्य	13/10/2043	चंद्र	15/12/2060
केतु	13/04/2005	शुक्र	07/07/2013	सूर्य	24/11/2029	चंद्र	11/02/2045	मंगल	24/01/2062
शुक्र	12/12/2006	सूर्य	12/11/2013	चंद्र	26/05/2031	मंगल	18/01/2046	राहु	30/11/2064
सूर्य	13/06/2007	चंद्र	13/06/2014	मंगल	12/06/2032	राहु	12/06/2048	गुरु	13/06/2067

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
13/06/2067		12/06/2084		13/06/2091		14/06/2111		14/06/2117	
12/06/2084		13/06/2091		14/06/2111		14/06/2117		00/00/0000	
बुध	09/11/2069	केतु	08/11/2084	शुक्र	13/10/2094	सूर्य	02/10/2111	चंद्र	14/04/2118
केतु	06/11/2070	शुक्र	09/01/2086	सूर्य	13/10/2095	चंद्र	01/04/2112	मंगल	13/11/2118
शुक्र	06/09/2073	सूर्य	16/05/2086	चंद्र	13/06/2097	मंगल	07/08/2112	राहु	14/05/2120
सूर्य	13/07/2074	चंद्र	15/12/2086	मंगल	13/08/2098	राहु	02/07/2113	गुरु	13/09/2121
चंद्र	13/12/2075	मंगल	14/05/2087	राहु	13/08/2101	गुरु	20/04/2114	शनि	22/11/2122
मंगल	09/12/2076	राहु	31/05/2088	गुरु	13/04/2104	शनि	02/04/2115		00/00/0000
राहु	28/06/2079	गुरु	07/05/2089	शनि	14/06/2107	बुध	06/02/2116		00/00/0000
गुरु	03/10/2081	शनि	16/06/2090	बुध	14/04/2110	केतु	13/06/2116		00/00/0000
शनि	12/06/2084	बुध	13/06/2091	केतु	14/06/2111	शुक्र	14/06/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।